माटी के मूर्ति से,
ताकेली मुसुकाई के,
त अजबे रूप सुहावन लागे,
दुर्गा माई के,
त अजबे रूप सुहावन लागे,
दुर्गा माई के।।

आग खाती आग बाड़ी,
पानी खाती पानी,
जे जईसे चाहे वईसे,
मिले माता रानी,
छन में मईया सब कुछ देली,
मनसाई के,
त अजबे रूप सुहावन लागे,
दुर्गा माई के।।

इहे मन करे माई,
साल भर रहिती,
एक बेरी अईती त,
फेर नाही जईती,
लोगवा भगिया जगावे दुअरा,
आई के,
त अजबे रूप सुहावन लागे,
दुर्गा माई के।।

जबसे बईठली मईया,
आके पंडाल में,
अजबे के ऊर्जा बावे,
देख प्यारेलाल में,
सर्वेश सब कुछ पवले,
देवी भजनियां गाई के,
त अजबे रूप सुहावन लागे,
दुर्गा माई के।।

माटी के मूर्ति से,
ताकेली मुसुकाई के,
त अजबे रूप सुहावन लागे,
दुर्गा माई के,
त अजबे रूप सुहावन लागे,
दुर्गा माई के।।

Singer Khesari Lal Yadav
Upload By Sarvesh Sargam
9113972124

Source: https://www.bharattemples.com/mati-ke-murti-se-takeli-muskai-ke/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw